3 छोटे से बड़े

एक दिन बोली मुझसे नानी,
मैं कहती तुम सुनो कहानी।
एक खेत बिन जुता पड़ा था,
ऊबड़–खाबड़ बहुत बड़ा था।।

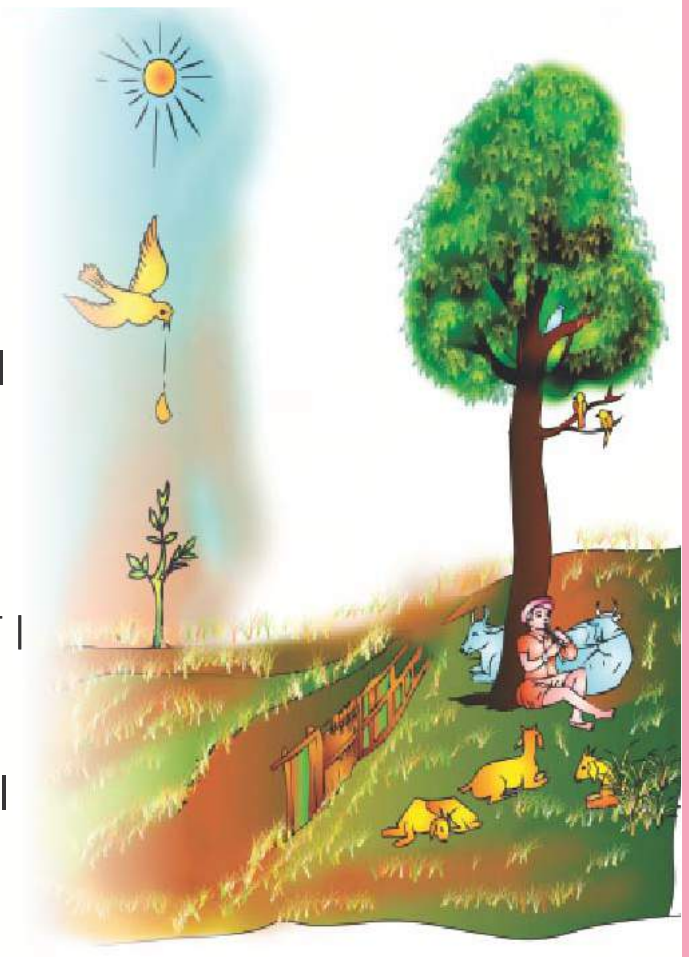

कोई चिड़िया बीज उठाकर,
उड़ती–उड़ती गई डालकर।
हवा डराती, धूप जलाती,
मिट्टी उसको खूब दबाती।।

मिट्टी की गोदी में रहकर,
सूरज की किरणों में जलकर।
कहा बीज ने–हाय अकेला,
पर न डरूँगा, भले अकेला।।

कुछ दिन बीते, अंकुर फूटे,
कोमल–कोमल पत्ते फूटे।
बीज बन गया पौधा प्यारा,
हरा–भरा लहराता, प्यारा।।

पौधे से बढ़, पेड़ कहाया,
दूर–दूर तक फैली छाया।
बस, जितने भी बड़े बने हैं,
छोटे से बढ़, बड़े बने हैं।।

शब्द–अर्थ

उबड़–खाबड़	–	ऊँचा–नीचा
खूब	–	ज्यादा
कोमल	–	ताजा, मुलायम
अंकुर	–	बीज के उगने की पहली क्रिया

1. पढ़ें और समझें

हरा–भरा	दूर–दूर	उछल–कूद
ऊबड़–खाबड़	उड़ती–उड़ती	कोमल–कोमल

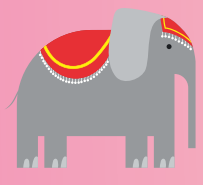

2. क्रम जानिए

बीज → अंकुर → पौधा → पेड़

अक्षर → शब्द → वाक्य → पाठ

3. वे जो छोटे से बड़े बनते हैं

मेमना → बकरी	बछड़ा → बैल
.....	.....
.....	.....
.....	.....

4. सोचें और बताएँ

1. पौधा पेड़ कब कहलाया ?
2. बीज पौधा कब बनता है ?

5. इन शब्दों का उपयोग करते हुए रिक्त स्थान भरें

(पेड़, कोमल, छाया, कहानी, अंकुर, नानी)

(क) एक दिन बोली मुझसे ..... ।

(ख) मैं कहती तुम सुनो ..... ।

(ग) कुछ दिन बीते, ... फूटे।

(घ) ..... कोमल पत्ते फूटे।

(ङ) पौधे से बढ़ ..... कहाया।

(च) दूर–दूर तक फैली ..... ।

6. सही वाक्य के आगे सही (✓) व गलत वाक्य के आगे गलत (×) का निशान लगाइए

(क) खेत ऊबड़–खाबड़ नहीं था। ( )

(ख) बीज पौधा बन गया था। ( )

(ग) पेड़ की छाया दूर–दूर तक फैली हुई थी। ( )

(घ) पौधा हरा–भरा लहरा रहा था। ( )

.7. सुंदर लेख लिखें

छोटे से बढ़, बड़े बने हैं।

.....

.....

.....

.....

8. चित्र देखकर लिखिए कि पेड़ हमें क्या–क्या देते हैं ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

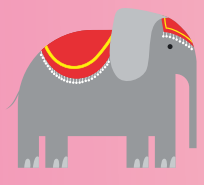

पेड़–पौधे हमारे सच्चे मित्र होते हैं।

केवल पढ़ने के लिए

आओ हँस लें

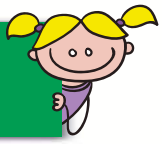

☺ ''अरे तू स्केल लेकर क्यों सो रही थी ?'' दीदी ने पूजा से पूछा।

आँखें मसलते हुए पूजा बोली, ''ये नापने के लिए कि मुझे कितना लम्बा सपना आता है।''

☺ 'एक टोकरी में दस आम थे उनमें से तीन सड़ गए, तो कितने बचे ?'

गुरुजी ने पूछा तो जवाब मिला, 'दस'।

'अरे'। दस कैसे बचेंगे ?

'जो सड़ गए वे भी तो आम ही रहेंगे न। सड़ने के बाद केले थोड़ी बन जाएँगे।'

☺ टीचर : बच्चो, बताओ कि दूध को खराब होने से बचाने के लिए क्या करना चाहिए ?

पिन्टू : उसे पी लेना चाहिए।